(I) जै/न M-106

32X13

श्रीकृष्णजी की बारामासी

पत्र- २

१९ वीं शती

CC-0 Shri Krishna Museum. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

कौनेकअमिन॥लि॥श्रीराधा॥१६॥
चेतचिताँमेजरीमरुकञ्जी
रतीकुशमेकद्रियोमदनगुपा
लसुख्यामेकुविजाकुलेआ॥
वेकहुयनयातनकोडरवा
हिहमसखीयादरसनकी
दासीओरनहिकरनासक
लसवदरसनकीदासी॥
श्रीराधारानि॥१७॥आगन
हिवैसावसावसवहिंघरआ के
वेश्रीउधोजीमिजायसकलूगो सव
पीसमजाईपैजतुमहकनाहकरो
पि॰हाउवानगईसुकीवावुरीहे
गईरवगोपीबुधितुमारीकोनेह
रिलिनी।श्रीराधा॥१८॥जेठमास
मेआयमिलेश्रीराधागोपीसेव्र
जवासिआदमेयजववछुरेवाधा
मेपरमपदगोवेओरसुनेसिवन
गरीवेकुंठसेदेवोपरमधामपोहो
च॥श्रीकृस्नकीयहवारोमासी
सिखेसुनेकंठकरेगोवेकरिना
यजमकीफासिवेदमेओसेकथि
गाई॥श्रीराधारानिस्याम॥करिच

CC-0 Shri Krishna Museum. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

ऊधौ निकस्यो कपटी कुरि
लस्याम वाय जानत हौ सु
धौ लहि गयो ज्ञा दुर्को क्रि
सि ॥ श्री राधा ॥ ३ ॥ ऊ निम
महि कुब्जा स्कनाम तलाग
सबको ई धरम करै है मतो
धरम करै गज बहीपीत
मन जु रिपै सजवहि मिला
वै ऐसो है कोई ॥ श्री राधा
॥ ४ ॥ कालिगलीला करी
हसलैने सबको ऊजानै ऐसे
चतुर सुजान स्याम कवि
जाके मन माने आघरिकं
सखी हे चिरी आई ले दिन
रैमि आ पिमेरी फरक ति
टरी ॥ दई मेरजियके चा
रासि ॥ श्री राधा ॥ ५ ॥ अबै
नेमे जिय दगधन लागे पाथ
रक ॥ तहि कौ ती ऊधो हाथ स
रनेसो भेजो वांची री पाती कु
छु नम [illegible] कि [illegible] जोगलम कु
CC-0 Shri Krishna Museum. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

केतोम्ग्रोवेवेगीनहिजिवत
पोवेवेरमकुदईमेरजियू
कुवेरासि॥ श्रीराधा॥ १९
फुसमासेमेहिगरिगयेपि
यपितमसेप्यारेकाननला
गइतकेरेपियुनेनतेन्यारे
हमकुमदनसतावतहेहम
रसियकेजारमनेसोउधोला
वतहेवुधिवाकीकोनेम्भि
॥ श्रीराधा॥ १७॥ महानाहको
उरहवहायरस्यागिहमजावी
कना प उठतकरहायुसोवजवउधो
नेमानीरूमसवठाटीहेम्रा
ईम्भीउधोजिनेज्ञायुसक
लसवगोपीसमजाईपेज
तुमरकनाहरेपि॥ श्रीरा
धारानि॥ ८॥ फागुनकिको
लेमेरेहमेभोयरहीविसमे
पातिवाचतषेमभईवेगोपी
न्योरिसमेलगेम्रवसाहके
रनचोरीहमजीवनतकेप्युसं
गषेलेवारिहोरीवुद्धिवाकी
CC-0 Shri Krishna Museum. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative

॥श्रीगणेशायनमः॥ पहलो
महिनाअसाढलागेपोवरखा
रितिआई१पीनमहमरेस्या
मसलोनाचिठीभिजवाईकेहो
वैकैसेनहिआयेअैसेचतुर
सुजानस्यामकुबिजानेविरमा
येणउरिरदईआदुकीफांसि
॥श्रीराधारानिस्याजिकं
रिघरवारिकुविज्यासि॥१॥
सावनमेमनभावनेमेहरिके
रावनमोलागी॥जबतेअति
तिलामिलजोरीअबहमक्यो
त्यागीकहोनउधोमेरीसा
लाजसरमदईत्यागश्रीति
जबकरीकुविज्यासोयहि
मोगहिआवतहेहासी॥श्री
राधा॥२॥भादोरैनिअधे
रीबोलैपपीनमसीप्यारीअंन
नचावैविरनआवेसरद
गरमनारीमिटावेसकटको

CC-0 Shri Krishna Museum. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative